यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार : 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2016–19/53/2018 **दिनांक :** 15.05.2018

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

चिकित्सा बीमा योजना पर आईबीए के साथ विचार–विमर्श

उपरोक्त विषय में एआईबीईए केन्द्रीय कार्यालय ने अपने पत्र संख्या एआईबीईए/ओबी/2018/13 दिनांक 13.05.2018 के माध्यम से 5 मई को चिकित्सा बीमा योजना पर आईबीए के साथ हुए विचार–विमर्श तथा 16 मई को होने वाली बैठक के विषय में अवगत कराया है। हम इस पत्र का अनूदित सार आप सभी की सूचनार्थ नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं। आईबीए द्वारा यूएफबीयू को भेजे गये पत्र तथा एआईबीईए द्वारा यूएफबीयू को भेजे गये पत्र को भी इस परिपत्र के साथ संलग्न किया जा रहा है।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रिय साथियों,

चिकित्सा बीमा योजना पर 16 मई को आईबीए के साथ विचार–विमर्श

आपको ज्ञात है कि पूर्व में आईबीए चिकित्सा बीमा योजना पर एक उप समिति का गठन करना चाहती थी और यूएफबीयू से 4 नामों को नामित करने के लिए कहा था। चूंकि समिति का उद्देश्य योजना के लिए दलालों की नियुक्ति सहित विभिन्न मुद्दों पर निर्णय लेना था, यूएफबीयू ने कोई नाम प्रस्तावित नहीं किया। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान 5 मई को आईबीए ने इस मामले को फिर से उठाया। आईबीए ने दोहराया कि समिति को इस पर चर्चा करनी चाहिए कि योजना के लिए दलाल के रूप में किसको नियुक्त किया जाये। एआईबीईए की ओर से हमने दृढ़ता से इस सुझाव से सहमत होने से इंकार कर दिया और व्यक्त किया कि योजना के उचित कार्यान्वयन से सम्बन्धित अन्य मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है। अन्य ने भी हमारे विचार का समर्थन किया।

आईबीए निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक को लेने के लिए यूएफबीयू के विचार चाहती थी।

1. योजना पर वापस जाना जैसी कि 9वें द्विपक्षीय समझौते में उपलब्ध थी।
2. सीधे यूनाईटेड इण्डिया के साथ बीमा योजना प्राप्त करना बिना किसी दलाल की मध्यस्थता के।
3. प्रत्येक बैंक की अपनी स्वयं की चिकित्सा बीमा योजना हो।
4. आईबीए की सहायता के लिए दो या दो से अधिक दलालों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी रखें।

एआईबीईए से हमने इस संबंध में यूएफबीयू को अपने विचार दे दिए हैं (प्रति संलग्न)। इस मुद्दे पर अन्य यूनियनों के अलग–अलग विचार हैं।

जारी पृष्ठ 2

आईबीए ने 11 मई को बैठक रखी। यह बैठक अब 16 मई को मध्यान 3 बजे के लिए निर्धारित हुई है। हम आपको होने वाली प्रगति से अवगत कराते रहेंगे।

अभिवादन सहित,

आपका साथी
ह0..
सी.एच. वेंकटचलम्, महामंत्री

Indian Banks' Association

HR & INDUSTRIAL RELATIONS

No.HR&IR/SKK/Medical Ins /2018-19/5041
May 8, 2018

Shri Sanjev K Bandlish, Convenor, UFBU
United Forum of Bank Unions
C/o State Bank of India, LHO, Plot no. 1, Sector -17A
Chandigarh – 160017

Dear Sir,

Medical Insurance Scheme- Constitution of Committee

Please refer to our earlier communication in the subject matter and discussions held on 5th May, 2018 with the Negotiating Committee. As desired, we place below the four suggested options :-

i) Banks may go back to the earlier Hospitalization Expenses reimbursement Scheme as was in vogue till 9th Bi-partite settlement for employees and dependent family members.

ii) Directly deal with United India Insurance Co. Ltd. or any other Insurance Company by calling quotes, without any interference from Broker.

iii) Advise banks to decide on the course of Medical Insurance Scheme on their own. Each Bank can negotiate with Insurance Companies to provide a Scheme tailor made to the requirement of the same.

iv) Continue with the process of appointing two or more brokers to help in assisting the IBA member banks to get a suitable Scheme prepared after getting the best quote as the nuances and fine print of the Insurance Policy and its features & interpretation will not be known to most employees & IBA in the absence of a broker.

2. In this context, as suggested by you, we would like to hold a meeting at our Stadium House Office on 11.5.2018 at 11.00 a.m to have a fruitful deliberation for further course of action regarding Medical Insurance Scheme. You are therefore requested to kindly make it convenient to depute four representatives (two from Officers Associations & two from Workmen Unions) to attend the meeting & share the views of the Unions & Associations so that the matter may be concluded well in time before renewal.

3. A line of confirmation will be highly appreciated in this regard.

Yours faithfully,

S K Kakkar
Senior Advisor (HR&IR)

World Trade Centre Complex, Centre 1, 6th Floor, Cuffe Parade, Mumbai - 400 005. • Tel. +91-22 2217 4040 • +91 22 2218 4222 / 2215 4131
website : www.iba.org.in

AIBEA LETTER

8-5-2018

To Com S K Bandlish
Convener, UFBU

Dear Comrade,

We are in receipt of your mail forwarding the communication from IBA regarding medical insurance scheme. We convey our views as under:

UFBU can meet in IBA office before meeting IBA to work out common views.

As regards the issues, from AIBEA we opine as under:

Banks may go back to the scheme as was available under 9th BPS	**Should not be agreed to. It is retrograde step. Employees/officers will be affected and retirees scheme will go.**
Directly deal with United India or any other Insurer without any Broker	**Nothing wrong in this but IBA should ensure a back up team at their level and in all Banks to sort out the problems of employees/ officers/ retirees in dealing with Insurer/TPA.**
Each Bank to have their own insurance scheme	**Should not be accepted**
Appoint two or more Brokers to assist IBA/Banks	**Can be accepted.** **Instead of Brokers, some Service Providers can also be appointed to deal with group of Banks to assist them and liaise with UI/TPA, etc.**

Yours comradely,
Sd..
C.H.VENKATACHALAM
GENERAL SECRETARY